

363118

कुल पृष्ठ संख्या-24 (फॉर्म पर्स जाहिर)

क्रम संख्या.....



# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

## माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी  अंग्रेजी

विषय ...Punjabi

परीक्षा का दिन ...Friday

दिनांक ...30 March, 2024

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

- परीक्षक हेतु निर्देश :-
- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
  - (2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।
  - (3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ :  $15\frac{1}{4}$  को 16,  $17\frac{1}{2}$  को 18,  $19\frac{3}{4}$  को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
संख्या की क्रम	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12 (2)	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	3778
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक 61778

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. इका मेपलिथा कागज ही उपयोग में लिया गया है। 179/2024

## परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न—पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न—पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में “समाप्त” लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाइन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
  - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा “अनुचित साधनों के प्रयोग” के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
  - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर—पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/आधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
  - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाइल, पैजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
  - (iv) वस्त्र, स्कॉल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस—पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
  - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न—पत्र हिन्दी—अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षाक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रेण संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अं३ - ३

(12)

।

(i) (म) गुड़ नानू दें भी

गुड़ बेड़ी (iii)

। (ii) (३) चूँ मौज़ निधि

चूँ बेड़ी (iii)

। (iii) (४) छाई ही छलराही

छाई बालू (iv)

। (iv) (म) कुल्टे जूँ भमाँ आई

कुल्टे बालू (iv)

। (v) (४) घट

घट (v)

। (vi) (म) भैमलमैर हा मेरिसुं

भैमलमैर हा मेरिसुं (v)

। (vii) (३) मीड़िष मिधि यीर

मीड़िष मिधि यीर (v)

। (viii) (म) चुड़ा यांयी

चुड़ा यांयी (v)

। (ix) (म) माख़ुँ झूँ

माख़ुँ झूँ (v)

। (x) (३) उपगाला

उपगाला (v)

। (xi) (४)

(v)

। (xii) (म) स (३) (म) ए

स (३) (म) ए (v)

(6)

। (i) माँ लहि लिखाएँ ।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	(ii)	अंधवर खिले ।
	(iii)	हैचा रुट ठेरे ।
	(iv)	रघावी मरणाला ।
	(v)	हाठिगढ़ - हाठिगढ़
	(vi)	मालूदे
<b>3.</b>		
(i) 12 BSER-479/10/24 भगत मलेहा गधि लै, मधए दे सराए दा नां गरु कमरेहामा भी जू।		
(ii) 8 गरि मात्रम गम यमारिका मधज शेरि मध यहिका मधव लै - मासर - चूकु मध सीदां दिँध दिनापर लै।		
(iii) 10 उथरेहउ मउरां दिँहै मीना दसीरे नै गडी गौहे ही लै भिंय बहरे रहे दिगा तै दि गदह दा तीराह रहे दे गौहे तैठा टैठे गिका। रैख दा भाषा रिमै हे मधीन छीं तुरा - तुरा। गडी भगदह हर्गे अंडीरागी लेरा दा नाम चैला दिँहै रर एहे न।		



(iv) मैरी भिंडे रहिता हैं रही, गरमाउटे न रि  
उम (भिंडे) ही अमलु सां भेगलु अग्लाउ टिराउ तु, उज  
घोराह दिहे गी द्यनिमां है छम्कि झेगज्जीमां है दिहे आ  
झी तु।

(v) 'बूँढ़ रिंग तां, राहि रहना है रसनाराह मरभीउ धाउ तु,

(vi) मिल्खा मिंध न 'छलाईंग मिंध', ही उगाची हित-यार  
मिंध छलाईंग हृष्णपुरी। उधे द्विर अनाउमर ने मिल्खा  
मिंध न 'छलाईंग मिंध', राहि दे युवारिमां।

(vii) गीगा हीन बूँठ घटाउहु ए द्विर शगीगर मी। उज द्यीमां  
रिमम है बूँठ घटाउहा मी। उज बूँठ ना गी रथरै लगाए  
मान।

(viii) यहाता चांची रगाई है मँध धाउ ए न मैसर मैसर  
मिं माउलि मी। द्विर उन्हां ए अमली नां तां ठीं मी। यहीउ  
महारीमां उन्हां न है एम नां तु छुला रजीमां मान।

(ix) 'मांझी रेया' रगाई हिसराह मांझी क्यै घटाउहु ही लैज  
रथर न मी। द्विर उमहा माग मरान मीं दिहे छाह  
गिनों मी। उज मारै मरान ओडे क्यै न यरी वरहाउहा  
धाउहा मी।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(x) ਧੰਸਾਈ ਕੁਮਾਰ ਦਿੱਤੇ ਮਹਿ ਦੀ ਗੁਫ਼ਤੀ ਤਿੰਨ ਹੈ। ਜਾ  
ਮਹਿ ਯਾਨੀ ਹੈ ਕਿ ਗੁਫ਼ਤੀ ਦੇ ਹੈ।

ਜਿਵੇਂ :- ਮ, ਮਾ, ਲੀ, ਵਿ, ਤ੍ਰੀ, ਚੀ, ਏ, ਮੌ, ਔ, ਤ੍ਰੀ।

(xi) 'ਮਿਗਾਰੀ' ਲਗ ਦਾਲੇ ਪਾਰ ਸ਼ਬਦ ਹੈ -

- (1) ਮਿਲਈ
- (2) ਮਿਲਖਾਂ
- (3) ਪਿਟੇ
- (4) ਸਿਖਿਆਂ

(xii) ਧੰਸਾਈ ਦੇ ਸਿਖਿਆਂ ਮਾਰਾ ਰਿਹਾ ਹੈ ਅਤੇ ਮਹਿ ਬਾਠੀਆਂ ਹਨ।

ਥੰਡ ਮਹੀਨੇ

4. ਧੰਨੀ ਦਾ ਛੁਰਦਾ ਮਿਲੇਖ ਹੈ - ਮਿਲਦਰਤਨ ਦਾ  
ਮਾਰਾ।

5. ਸਮਾਜ ਦੀ ਹੋਰ ਮਾਪਦੰਡਾਂ ਦੀ ਸਾਂਝੀ ਮਿਲਦਰਤਨ  
ਦੀ ਉਥਰਾ ਹੈ।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

परीक्षार्थी उत्तर

(6.)

मिलदूरुन् दी भगवत् सां-सां ते चैही तु, मिहे - परिवार  
दिह, गिमातेणां दिह, मित्रा दिह, मिल्याठीकां दिह,  
ग़म्भाछीकां दिह, बरोठार दिह, मां उम मीमांसा दिह, मिस्त्रे  
मेमी दीम ठीक रहे जां।

②

म.

‘हिर ढूँढ माला ठीक बहा मरहा’ वाद दिः तु रि हिर  
भौंध ब्राह्म दिक्षा गे धूडिवादा, तु धर उह सिरेला रुम  
ठीक रह मरहा तु।

①

8.

मधर

तुह

उथम

बारेवार

टारग

मुरष

मैं मौसर

भलमा / नुमा

ईम

~~ज़म्मू~~ दिरेय

9.

मधर

मारह

हमिकार

ममान्नरसर

मातिरार, दिमृ

धरीता, घ़स्वरहरा

10.

मधर :- रहा →

(i) (घरा), घराक) घम दिह मारीका दा जीन रहा तु  
विं गी।

(ii) (हुठा) गम आपही गल दा रहा तु।

②



मधर :- दर :-

- (i) (एग्रात) - गम दर-दर उम ए ना यहू रिगा मी-
- (ii) (चंग) : उज साम दे दर-दर चंग रिगा मी,

(11.) मधर

(2)

मेंग

ग़ुड़ा

घर्मीर

लिला

होयी

धमी

ठिरा

मेटा

सँड रोनां

12. चीमाधी दीमां दार उत्तरोत्तमा न हो :-

(2)

(i) माझी छोली :- इज छोली माझे दे ईणरे हिंू छोली भाणी तु। इज लिलारां तु (सारंग, गुरुदामधुर, कमीभउभर, मिमालरेट)।

(ii) मलदही छोली :- इज छोली मालहे दे ईणरे हिंू छोली भाणी तु (मिंदे पुरिभाहा, दरिदरेट, ठिरुग़ुड़ माहिल, मेंगा, मानमा भाणी)।

(iii) रुमाही छोली :- इज छोली भीम अउ शटो तु ईणरे हिंू छोली भाणी तु।

(iv) मालउगी छोली :- इज तेंग गासी खां, मालउगी अउ घगदधुर छोली भाणी तु।



13. मੁੱਖੀ ਭੀਉਣੂੰ ਹੀ ਰੈਸੀ ; ਇਹੋ ਕਈ ਨੇ ਸ਼ਾਲੇਗਾ ਹਿੱਤੁ ਜੋ ਮਾਨ੍ਤੀ  
ਗੁਲਾਮੀ ਨਹੀਂ ਰਹਨੀ ਚਾਹੀਦੀ ; ਇਉਂਕਿ ਗੁਲਾਮੀ ਵਿਹੁੰ ਧਰਮਿਆਰ  
ਸੱਥ ਤਾਂ ਮਿਲ ਬਾਹਾ ਥਹੁੰ ਮਨ ਵੀ ਮਾਂਤੀ ਅਤੇ ਸਤੋਕ  
ਨਹੀਂ ਮਿਲਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਰੰਗ ਨੇ ਸੱਥ ਜੇ ਮੁੱਖੀ ਭੀਉਣੂੰ  
ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਤਾਂ ਉਮਰੀ ਅਮੀਰਾਂ ਹੀ ਗੁਲਾਮੀ ਤੇ ਬਚ ਰੇ  
ਕਿਵੇਂ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

14. 'ਖੁਗਮਾਨ ਬਖਮਾਨਾ ਰੀਮਾਂ' ਮਥਾਨ ਇਹੋ ਗੁਰੂ ਜੀ ਰਥੋ ਜੀ  
ਉਲਾਮੁਂ ਦੇ ਗੇ ਮਨ ਹਨ ਕਿ ਮਨੁਖਾਂ ਤੇ ਰਿਕੌ ਗੁਝੇ ਮੁਲਕਮਾਂ  
ਹਾਂ ਰਥੋ ਨੂੰ ਮਹੁੰ ਦੀ ਤੁਮ ਨਾਂ ਆਇਆ ਹੈ ਮਨੁਖਾਂ  
ਤੇ ਮਲਮ ਵੀ ਕੋਈ ਇਖਦੇ ਗੇ ? । ਗੁਰੂ ਜੀ ਨੂੰ ਦਿਹੁੰ ਦੀ  
ਉਸ਼ਾਮੁਂ ਵਿਹੁੰ ਕਿ ਬਾਬਾ ਦੀ ਫੌਜ ਨੇ ਤੇਰੇ ਬੜਵਾਏ ਗੁਝੇ  
ਦੀਨੀਆਂ ਦਾ ਨਾਮ ਰਹ ਦਿਆ ਹੈ ।

15. ਲਾਲੁ ਅਤੇ ਵਿਕਾਲੁ ਮਹਿਲੇ ਹੈ ਉਂ ਆਪਸ ਵਿਹੁੰ ਕਿਵਾ  
ਲੁਗਦੇ ਮਨ । ਇਹੁੰਠੇ ਕੰਮ ਰਹਨ ਦਾ ਸਿਰ, ਜਾਇਦਾ ਮੀ  
ਕਿ ਲਿਕ : ਭਾਕੂ ਕਾਮੇ, ਨਾਲ ਬਲ ਦੇ, ਚੜ੍ਹ ਬੈਤ ਦਾ ਰੀਮ  
ਰਹ ਲੈਂਦਾ । ਅਤੇ ਰਸਾਂ ਰਿੰਡ ਦੇ ਛੋਟੇ ਮੱਟੇ ਰੀਮ ਦਾ ਰਹ  
ਲੈਂਦਾ, ਬੈਤ ਦਾ ਰੀਮ ਬਿਨੀਆਂ ਹੋਂਦਾ ਮੀ ਅਤੇ ਰਿੰਡ ਦਾ  
ਬੋੜ੍ਹਾ ਕੀਂਦਾ ਮੀ ।

16. ਗੁਗੈਹੂ ਦਾ ਰਿਲ੍ਯੁਂ > ਇਹ ਰਿਲ੍ਯੁਂ ਆਸਮੌਰ ਤੇ ਹੁਖਘ- ਪੁਰਖ  
ਤੇ ਸੰਧਿਤ ਹੈ । ਇਸ ਰਿਲ੍ਯੁਂ ਦਾ ਨਿਰਮਾਣ ਲੱਡੂ ਗਲਪਤਾਂ  
ਨੇ ਰੁਣਾਇਆ ਮੀ । ਇਸ ਕਿਹੜੇ ਦੇ ਵਿਸਾਂ ਦਾ ਤੋਤਾਕੁ  
ਦੇ ਗਿਆ । ਇਸ ਤੁਰ੍ਹੇ ਨੂੰ ਭੋਲ੍ਹੇ ਕਿ ਰਿਲ੍ਯੁਂ ਦੀ ਰਿਹਾ



विउरि इह रिपुं मलू ते खिला उहिआ तु,  
हिम रिए दिह अजू दू छैमै खधउ मेसर  
जन डेवगज दै तु गम मन गजमजाठ दिह  
यूमिय जन।

थैठ ऐ

(17) 'बम रह भी हष्ट बम बह भी' धैर्य माझ दी  
लिखी रही भु। हिम बहिता दिह बहु माझ ने  
आपहे गरे दि दिक्के ने रहर घर विज्ञान  
विता तु। धिसु माझ आपहे गर (हिताहित रास्ता)  
ने मधोरित रहे रहे रहे रहे तु रि उमी माझे  
ते दूर रित भाँहे तु। उमी आपही रागास्ता  
दे रह रह रहे माझे आपहे गुण ला लित,  
भैरव उमी माझे ते लकडे तां देह दी अमा  
त्तै लहांगे। शहित उमी हयेह दिह माझे ते  
उरझे हे। हिर तां उमी माझे ते दृढ़ तु  
दिह दी माझा दिल खिच्छे हे। भामी उगाई  
मापहे मन नाल बगे रे दुळ फिला तु।

धैर्य माझ आपहे जो दि ममी  
उगाझे ते दूर ठों बही मरहे अउ उमी  
त माझे उद्याहे हे। भैरव अमी उगाझे नाल  
रहस्यी गुण रहरे तां उमी माझा गुण  
रहस्ये हे। अउ माझे माझे हे। चरित  
देह दी अमी उगाझे ते दूर ठों बही गुण  
मरहे। धैर्य माझ अनागे विराती गर्ने  
जो दि उमी माझे माझे बह दितु क्षमउ



## माटी गहू का लिखि।

(18)

(रिहउ) ਨਿਰੀਧ ਹੋ ਚੁਹੈ ਮਿੰਧ ਦੀ ਰਸਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਖੌਲਾ ਰਸਤਾ ਨੂੰ ਰਿਹਉ ਦੀ ਇਮੇਜ਼ਾਤ ਰੱਮੀ ਹੈ। ਰਿਹਉ ਅਤੇ ਮਾਧ ਦੇ ਗੁਣਾਂ ਤੋਂ ਪੂਰਾ ਰੀਤਾ ਹੈ।

\* ਰਿਹਉ ਅਤੇ ਹਈ ਗਹੂ → ਰਿਹਉ ਜਿਥੋਂ ਇਮਕਾਰੀ ਵਿਖੌਲੀ ਰਣੀ ਸਾਰੇ ਹਈ ਗਹੂ ਹੈਂ ਹੋ ਕਿਵੇਂ ਧਿਆਰ, ਦੁਲਿਆ, ਮਾਤਿਕਾਰ, ਤਾਟੀਬਾਰ, ਮਾਹਿਮ ਮਤਾਂ ਆਏ। ਰਿਹਉ ਇਮਕਾਰੀ ਬੱਕੇ ਤੋਂ ਬੱਕੇ ਹੁਕਮਾਨ ਵਿੱਚ ਹੱਦ ਦੀ ਰਸਾਂ ਸਮਝ ਕਰ ਬਚਦਾਮ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।

\* ਦਿਲਾ ਮਨ → ਦਿਲਾ ਮਨ ਮੌਜਾਨੂੰ ਦੀ ਤਰਮਾਲੂ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਝੇ ਉਝੇ ਗੁਣਾਂ ਦੀ ਮਹਿਮਾ ਨੂੰ ਮਮ੍ਫੂ ਹੋ ਜਾਂ ਸੁਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਆਏਂ ਧਾਰ ਰੀਮ ਅਤੇ ਹੁਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਕੰਮਾਂ ਦੀ ਵਿਗਾੜਦਾ ਹੈ। ਉਮਹਾ ਮਨ ਜਾਂ ਸੁਹਾ ਮਾਈ ਹੈ।

\* ਮੱਛੀ ਰਿਹਉ ਰੱਖੀ ਦੀ ਧਸਾਂ → ਮੱਛੀ ਰਿਹਉ ਛਾਲੇ ਇਮਕਾਰੀ ਵਿਖੌਲੀ ਮਾਧ ਵਿਖੌਲੀ ਗੋਡੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਮਾਧ ਅਤੇ ਰਿਹਉ ਇਮਕਾਰੀ ਕੋਈ ਅਤੇ ਹੋ ਜਾਂ ਮਾਧ ਰਿਹਉ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਅਤੇ ਕਿਗਤੀ ਮਾਧ ਹੀਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਇਮਕਾਰੀ ਦਾ ਮਨ ਆਪ-ਮੁਹਾਰਾ ਧਰਮਾਤਮਾ ਨਾਲ ਭਾਲੂ ਭਾਵਾਂ ਹੈ।

ਇਹਾਂ ਮਾਤ੍ਰਾਂ ਮਾਹੀ ਰਿਹਉ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਨੂੰ ਮਿਥੀ ਕਿਤਾ ਹੈ, ਰਿਹਉ ਇਮਕਾਰੀ ਵਿਖੌਲੀ ਦੇਸ਼, ਦੀਕਾਂ ਗੱਲਾਂ ਦਾ ਵਿਹਾਲ, ਹੋਂਦੀ ਹੀਂਦਾ ਤੁਗ ਕੁ ਆਪੇਂ ਰੀਮ, ਘ ਮਾਂ ਆਉਣਾ। ਇਸ ਰਿਹਉ ਦਾ ਸਥਾਨ ਵੱਡੇ ਹੱਦਾਂ ਵਿੱਚ ਹੈ।



19. गमगानु देह रसी रिलै मौजर नह। ऐम रहे  
ऐम है रिलैक्स दी यहाँ ही रिंग जाहा है।

(3)

गमगानु देह रिलै मिठ भिठ इमारउं परी मर्ग  
मौजिमा, धरर, खेय नीडी, मैमिडी ही ही

माड माटी रिमटी गोषर रही है।

गमगानु देह यूमस रिलै नहः-

(i) इतक दा रिलै → इह रिलै गहली यरबउ  
माला दी लिए टिमी उथा क्लिका उसका है।  
ऐम रिलै दा निरमाण, इतुगार भौमिका दे  
में मेंदी मताघरी देह रहदाइका, इह रिलै  
गमगानु दा नी नी मस्तु मध्यन शरव देह  
यूमस्य है। रही लैर ऐम रिलै है रिलै दा  
रहदा देह है आगी देह ऐम है आगी देह नह।  
इह लैर रही लिखरे नह कि:-

इतु उे इतेक्क छारी मष गड़का है।  
ऐम दी देह मष ते आवमुर गही यहमवी  
दा मंडल है। ऐम दीका रहा ध्यउ मज्बउ  
नह रेही, मष उमलाए ऐम है तेह ना  
मारका।

ऐम रिलै दे अलादा हैर दी रिलै नह।  
उर्हु इह रिलै मष ते देय यूमस्य है।



(20.) ਕਰਤਾਰੇ ਦਾ ਧਾਤਰ ਸਿਤਹਣ :-  
ਕਰਤਾਰਾ ਬੁਨ ਰਹਾਂਦੀ ਦਾ ਮੁਖ ਧਾਤਰ ਹੈ।

\* ਸਹਾਰਥੀ ਛੀਏ  $\rightarrow$  ਕਰਤਾਰਾ ਬੁਨ ਸਹਾਰਥੀ ਛੀਏ ਮੀ ,  
ਉਹ ਭੁਗੋ ਹੀ ਭਮੀਨ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਦਾਤਾ ਹਾਹੀਦਾ ਮੀ ।  
ਉਹ ਜਾਹੀਦਾ ਮੀ ਕਿ ਭੁਗੋ ਹੈ ਅਤੇ ਭਮੀਨ ਅਤੇ ਉਮ ਲੀ  
ਭਮੀਨ ਮਿਲਾ ਕੇ ਯੱਥੀ ਗਮਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

\* ਭੁਗੋ ਦੇ ਕਤਲ੍ਹ ਦੀ ਭਾਹ  $\rightarrow$  ਭੁਗੋ ਦੇ ਕਤਲ੍ਹ ਦੀ ਭਾਹ ਕਰਤਾਰੇ  
ਧਾਤਾ ਹੀ ਤੋਂ ਗਈ ਮੀ ਚੰਡੂ ਉਮੀਦ ਨਿਯਤ ਦਿੱਤੇ  
ਥੋਟ ਹੁੰਦੇ ਹੋ ਉਮ ਨੂੰ ਦਿਸ਼ਾ ਦਾ ਸਿਮੇ ਹੋਰ ਨੂੰ ਹਾ  
ਗਮਕਾ ।

\* ਭਤੀਜੇ ਨੂੰ ਮੁਹੂਰ ਦਾਲਾ  $\rightarrow$  ਸਾਰੇ ਬੁਲਾਈਤੇ ਹੈਂ ਭਾਗ ਲਈ ਹਾ  
ਉਹ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਤਾਂ ਕਰਤਾਰਾ ਉਮ ਨੂੰ ਮੁਠੇ ਨੂੰ ਸਾਗਰ ਦੀ  
ਗੇਲ੍ਹ ਧਿਆਨ ਹੈ । ਉਹ ਦਿੱਤੇ ਤਲਾਵਾ ਲੈ ਕੇ ਸੁਝਾਹਾ  
ਦਾਲਾ ਭਾਂਦਾ ਹੈ ।

ਮੁੱਲ ਦਿੱਤੇ ਬਹਲਾਵੁੰਦੇ ਸਾਰੇ ਮੱਤਾ ਕਰਤਾਰੇ ਨੂੰ ਦੱਸਦਾ ਹੈ ਕਿ  
ਉਮ ਦਾ ਜਾਬਾ ਮੁੱਗ ਦੱਗਾ ਅਤੇ ਬੁਗੋਦੇ ਤੇ ਤਾਂ ਉਮ  
ਦੇ ਮਨ ਦਿੱਤੇ ਬਹਲਾਵੁੰਦੇ ਜਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਉਹ ਮੁਠੇ ਨੂੰ  
ਕੇ ਗਲ ਭਾ ਲੈਂਦਾ ਹੈ । ਉਮ ਦੀ ਹੋਰ ਜੋਬਾ ਕੱਤੇ ਦਿੱਤੇ  
ਤਿਥ - ਤਿਥ ਰਾ ਗਮਕਾ ਹਾ ।

खेड़ म

(4)

(प्र.) छोरा गलीई

गरी हुगा।

(उ) चूमूँग → इह राहि टैटा गाड़ी चैसाबी ही चुमउर  
मार्ग उ मध्य मगरीका, इह उग्रास भाई मेष छीर  
उ मलैर इह लिका गाइका, ऐम इह  
मेष छीर आयटे आप ही चुमउरी रुय इह  
चूमाट रुहा लिका मन हु देमले ही पिकान  
बगा ही एमिम रह रिंग हु।

(म) दिनाखिका → छोर सी घमाउरे ज्ञ रि बजउ भेह नाल  
मीर थषी रिंग हु। गलीका दिक्क नाल बिका  
लिका ज्ञ। या उमठे आपहे यिकारे हु (चुवु)  
हु मिलह भांड हु। मेहर उम मीर दिह आपहे  
हु हु मिलह भांड हु तो बीछली उम भांड हु  
भीर हु तो सांडी तो चूम टहहा हु।

(ए) काला उमाउ मूर्ह। हु मीरु शीता गिक्का हु; रंग  
ही मासी नाल मीर ची थषी रिंग हु।

(म) मुष्ठए

1. गलीई
2. हुगा
3. बीछली
4. उटे

आग्ध

- गली  
यिकार (रंग)  
बीछली  
टहहा हु।



(4)

११०) पंडित

मेहा दिखे,

मी मान मुँह अधिकारार भी,

मरण (र.घ.ग)

मार्ग

दिमां - सुरमाणा मनाढी लटी

मेहा भी मान, होनडी मैं रि मैं आय भी ऐ मरण दी भमाउ

ऐमी दी डिएकारषी तु। मैरे पिता हिर बिताओं दी उकान

उड़े रेम रहे जु। उन्हों दी मरीने दी बमाटी भिरठ

उक्त द्वार रहे तु। मैरी हिर क दृढ़ी छेह तु दी तु उम

दी दिम रहे दृष्टि तु। इम लटी विरया बरे उमी मरी

सुरमाणा मनाढ़ माठ बर दिल्ली दिउ। बित्तिरि मैं स भमाउ दिल्ल

ऐम बरे तु। आ मरीआ बित्तिरि मैरी उषीभाउ छ थगाछ

भी। भमाउ दिल्ली ता क्षाष राहू मैरे ते सुरमाणा लग गिरना।

मैं सुरमाणा तु। दे मररा। विरया बरे मैरी सुरमाणा माठ

बर दित्तो भोइ।

यीत्तार मरीउ।

माप भी दा अगिक्काराडी

नाम → (भ.घ.ग)

भमाउ → रमाई 'का'

मित्ती → ३० मार्च, २०२४



(23.)

## ਇੰਡੀਅਮਰਿਤੀ ਤੇ ਫੇਮਾਨ

4

ਧ੍ਰਿਗੈਥਾ - ਅਮਰਿਤੀ, ਫੇਮਾਨ ਦਾ ਅਮਰਿਤੀ, ਸਾਰਿਆਂਮਾਂ, ਹਾਂਗੀ  
ਮੰਟਾ.

\* ਅਮਰਿਤੀ > ਫੇਮਾਨ ਲਿਕ ਅੰਗੀਰੀ ਮਾਲਾ ਤੋਂ ਜਿਹੇ ਨਾਮ ਤੋਂ  
ਚਤੁਰਾ ਲਗ ਰਿਹਾ ਤੂੰ, ਫੇਮਾਨ ਦਾ ਅਮਰਿਤੀ = ਭਾਰੀਂ  
ਭਾਂ ਚਲਨ ਦਿੱਤੇ ਆਇਆ ਹੋਇਆ ਦੀਆਂ, ਮਾਂ ਗੁਣ੍ਹ-  
ਮਹਿਸੂਦ ਦਾ ਤੀਰਾ। ਫੇਮਾਨ ਧ੍ਰਿਗੈਥਾ ਨੂੰ ਨਾਂ ਹੈ ਪ੍ਰਿੰਟ  
ਇਮ ਤੋਂ ਅਤ ਭਾਵ ਗੱਹਿਆ ਤੂੰ। ਫੇਮਾਨ ਦਿੱਤੇ ਰਣੀ  
ਤੁਹਾਂ ਤੋਂ ਤੁਲਾਂ ਮੁੰਮੌ - ਮਮੈ ਆਉਂਦੇ ਗੱਹਿਆ ਨਾ।  
ਫੇਮਾਨ ਦਿੱਤੇ ਨਾ ਰਾਏਲ ਬਧੂੰ ਮਗੋਂ, ਪੁਰ ਦੀ  
ਰਾਣੀ ਦੀਆਂ ਜਿਹੇ ਹਾਂ ਨਿਖਾਈ ਦਾਲੀਆਂ, ਦ੍ਰਿਮਾਂ,  
ਮਮੀਨਾਂ, ਦਾਲ ਨੂੰ ਮਾਹੂਂ ਮਾਹੂਂ ਦਾ ਤੀਰਾ। ਇਹ  
ਮਥ ਰੂਸ ਫੇਮਾਨ ਦਿੱਤੇ ਗਿਹਿਆਂ ਭਾਂਦਾ ਤੂੰ।

\* ਫੇਮਾਨ ਦਾ ਅਮਰਿਤੀ :- ਫੇਮਾਨ ਤਾਂ ਹੈ ਰੋਈ ਰਾਹਾ ਤਾਰਿ  
ਉਜ ਆਪਣੇ ਆਪ ਨੂੰ ਮਮਾਂ ਦੇ ਰੇਗਾ ਦਿੱਤੇ  
ਛਾਲ ਮਰੇ। ਹੋਏ ਓਤੇ ਬੁਝੇ ਮਥ ਨੂੰ ਸਿਆਹਾ  
ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਬੱਕਾ ਬਹੁਤ ਫੇਮਾਨ ਦਾ ਗਿਆਂਦੀਆਂ ਤੂੰ।  
ਪੇ ਵੀ ਹੋਣ ਦੀ ਚੁਗੀਂ ਹੈ ਜਗੀ ਗਲੇ ਤੂੰ। ਚੁਗੀਂ ਫੇਮਾਨ  
ਦੇ ਨਾ ਤੇ ਆਪਣੇ ਮਹਾਸੀਂ ਦਾ ਜੂਝ ਦੀ ਪਾਵਿੱਗਾ ਸਮਾਵ  
ਉਤੇ ਬਗ ਧੂਗਾਂ ਨੂੰ ਸਲਾਹ ਕਰਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਿਵੇਂ ਲਕੜ  
ਲੁਕਵੀਆਂ ਰਾਫ ਰਾਖੀਆਂ ਨੂੰ ਇਮ ਬਗਾਈਆ ਭਾਂਦਾ ਤੂੰ  
ਕਿ ਉਜ ਕਾਮ ਬਾਹਰ ਤਾਂ ਘਰ ਦਿੱਤੇ ਚਾਹਿੰਦੇ ਹੋ。  
ਗਾਹਿਅਤ ਨਹੀਂ ਹੈ।



\* हिन्दू दिविकारखीनों ते चूडाए → दिविमारखीनों उत्ते फैमुन  
 \* गारागउमर चूडाए खिलाए देखह नी मिलाए जा। वही  
 दिविकारखी तां यज्ञाली नी छें फैमुन दिहँ जी आपहा  
 गारा खिलाए रहिए। मैं दी ०३ अंडित तां खिलबूल ही  
 नहीं तु। इस दिविमारखी तां उमें दिवकरी नी री कापहै  
 नाल रखें लिंग। नी फैमुन रा खिलाए हो। बुझ दिन  
 दिविमारखी तां उमें दिविमारखीनों उत्तुं रथयें ज्ञाते  
 दिखह रे तुग नाल मासा उत्तुं रा ममार वाले जा।  
 मध्याहिल तां फैमुन नी फैलाउह रा रीम होर ही  
 अमान रर दित्ता तु। धेष्ठ मध्याहिल तु ही फैमुन  
 बाहे भाहुराही ले मरें जा रि रहे मा फैमुन औते रिम  
 धीस रा फैमुन छल पर्गा तु। दिम उत्तुं रर रे दिविमारखी  
 आपहा खिलाए यज्ञाली ते दहारे फैमुन एल रर  
 नी जा। यज्ञाली दिहँ घटे खिलाए देहुं ते ज्ञाते  
 फैमुन दिहँ देय उम उत्तुं री अमदफुडा रा राम  
 का छह मरहा तु।

\* मिटा → दित्तुं मार मारीका लिखीनों छ मउंग रा  
 \* दित्तुं मिटा लिरलदा तु रि ज्ञ धीस दी अंडित  
 मानवी भीहु लही भउत्तुगार तु मरही। फैमुन  
 तु ही दित्त अभाउ ठुर तु। फैमुन रहना धरी  
 गल नी धरी आपहै झाप तु। फैमुन दू रेष  
 रर दिहँ दित्त र धरी गल तु।  
 अंडित दिहँ दित्त रहिष्वा जाही जा रि  
 " ज्ञ धीस दी अंडित अमध रहही तु "  
 दिम रहरे फैमुन दी मीमां छ जुहा जाही जाही तु।

80 (BEEF)  
SPM  
18.4.2024



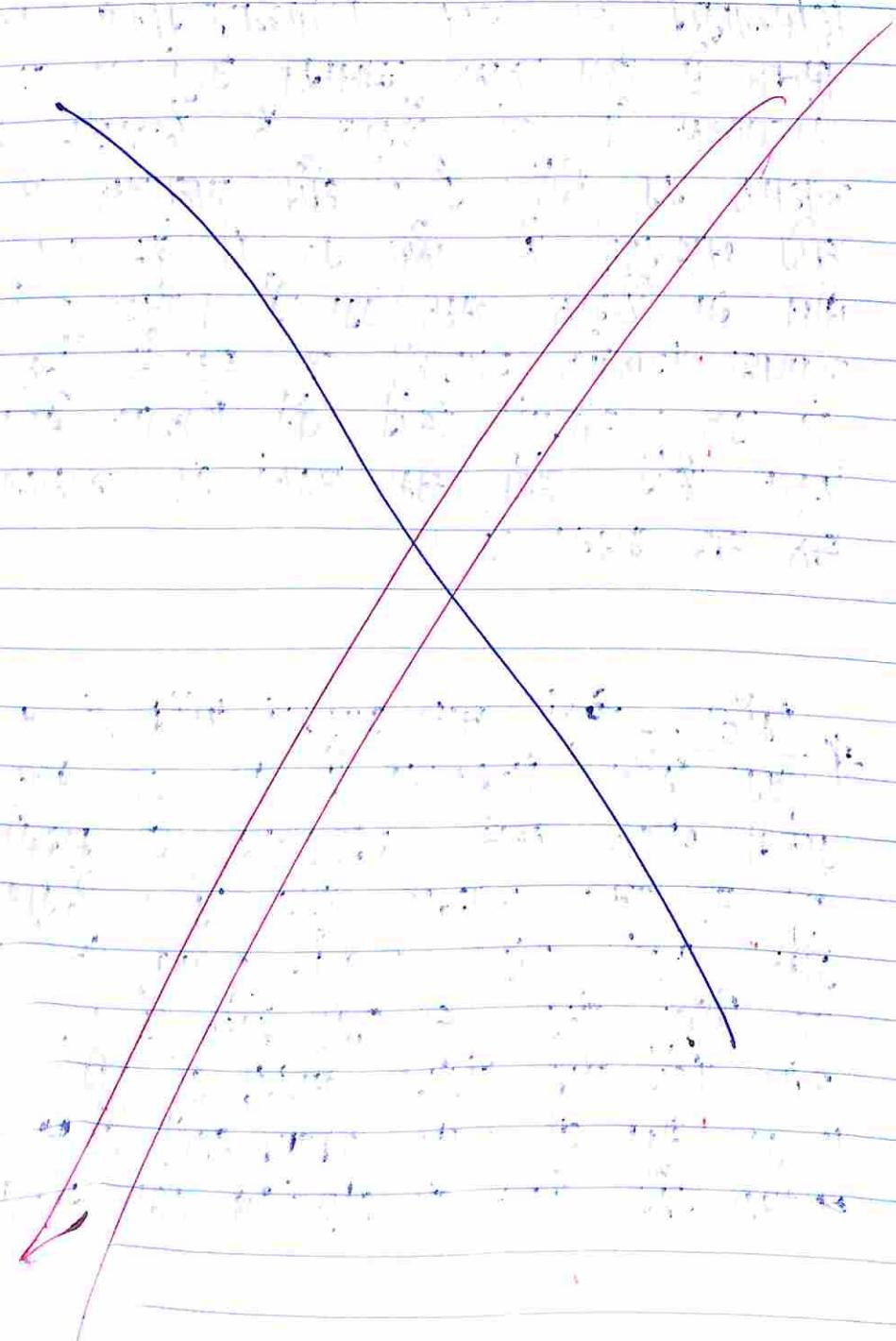
परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

माध्यम

finished





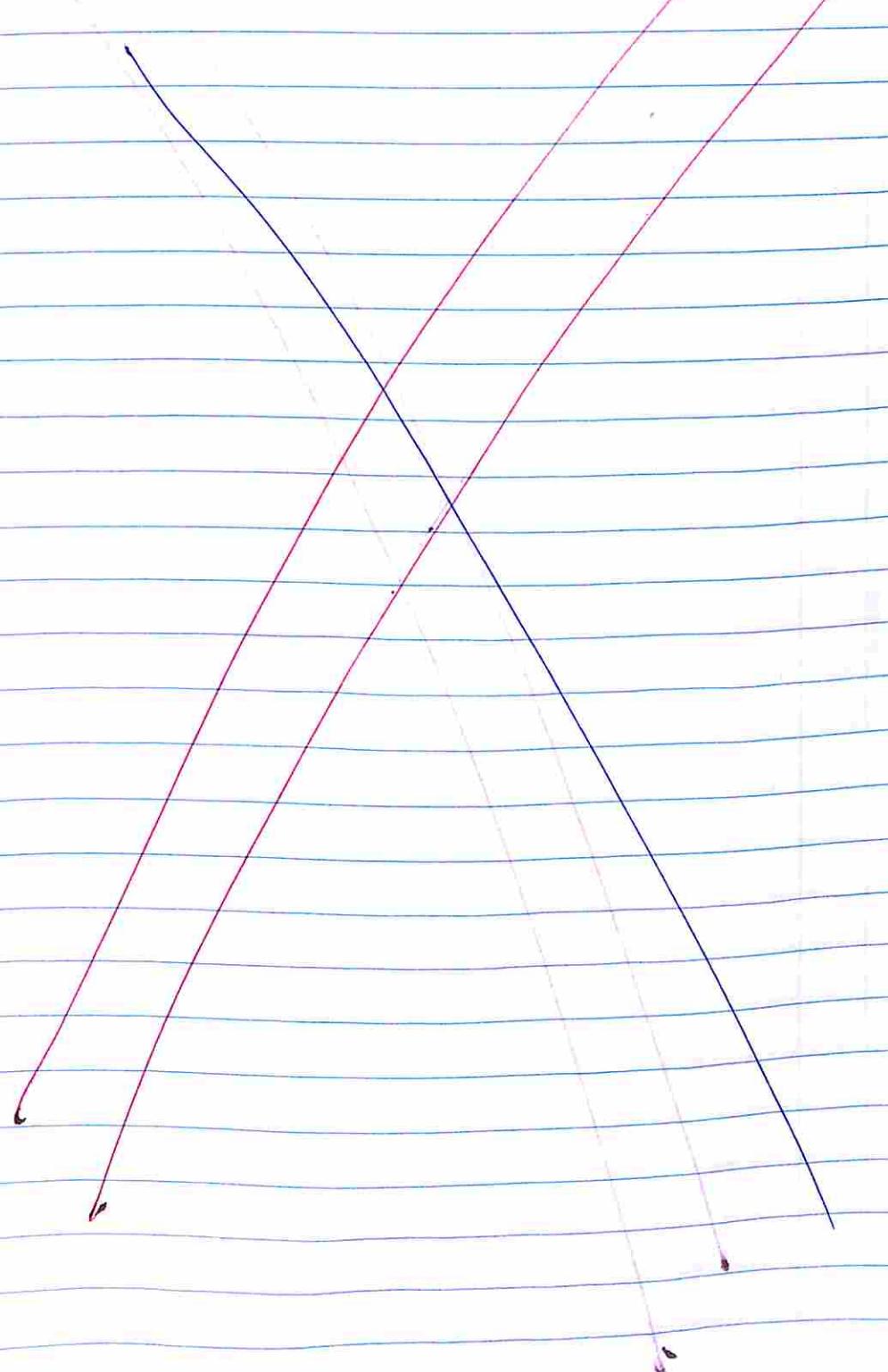
परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

17

BSFR-179/2024



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

पृष्ठा 1 में प्राप्त



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

19

परीक्षार्थी उत्तर

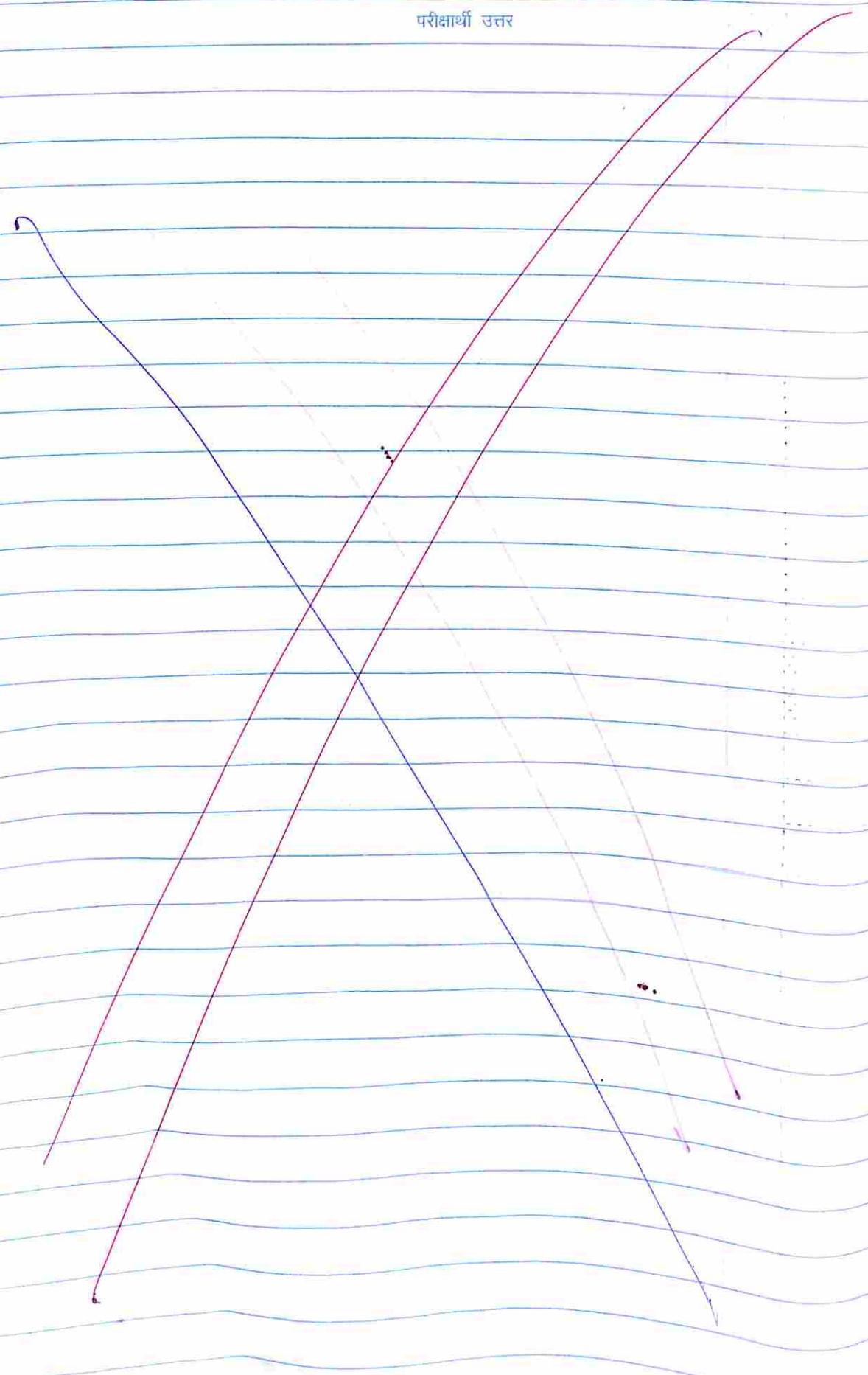


परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

NSR-179-2024





परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024

